Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–140

B.A. (Part–III) DUE Ist Year Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - II

(आधुनिक राजस्थानी गद्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब हिन्दी या राजस्थानी में दिया जाय सकै।)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **50** सबद। हरेक सवाल **2** अंक रो है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात मांय सूं किणी पांच सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **200** सबद। हरेक सवाल **8** अंक रो है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **500** सबद। हरेक सवाल **20** अंक रो है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. (i) 'बाल्टी लाकर थोड़ा ढाढा छिड़को तो, और बहूजी को बोल देवो कि थोड़ा खाटा-सुपारी निकाल देवै।' आ बात 'सूरज री मौत' कहाणी में कुण कैवै अर किणनै फैवै ?

(ii) 'उकरास' कहाणी संग्रै रै संपादक रो नाम बतावो अर उणांरी संपादन दीठ सारु दो सबद लिखो।

(iii) 'म्हैं थोड़ै जोर सूं कह्यो—कहा दियो नीं कै बां कीं कोनी कह्यो..... विश्वास तो कर तूं।' बातां कहाणी में आबात कुण कैवै अर किणनै कैवै, संदर्भ सहित लिखो।

(iv) 'दया' कहाणी रै सूंडियै रै चरित्र री दो विशेषतावां री उल्लेख करो।

(v) 'रामजी भला दिन देवै' निबंध रै लेखक रो नाम बतावो अर इण निबंध री भाषागत दो विशेषतावां बतावो।

(vi) 'पुरण पुरुष कृष्ण' निबंध में लेखक कृष्ण रै जिण रूप नै उजागर करयो है, बी. री दो विशेषता वां बतावो।

(vii) 'म्हारी जापान यात्रा' यात्रा-संस्मरण री लेखिका रो नाम बतावो अर साहित्य में उणरै अवदान सारु दो सबद लिखो।

(viii) 'सह-अस्तित्व' सबद रो अर्थ उजागर करता हुआ निबंध रै लेखक रो नाम बतावो।

(ix) राजस्थानी गद्य में किसी-किसी विधावां में लिखीज्यो है, उणारां नाम बतावो।

(x) केन्द्रीय साहित्य अकेदमी सूं राजस्थानी गद्य साहित्य री पुरस्कृत कोई दो पोथयां रा नाम लिखो।

खण्ड–ब प्रत्येक 8

सात सवालां मांय सूं किसी पांच सवालां रा जवाब दो।

2. सप्रसंग व्याख्या करो : (शब्द सीमा : **200** शब्द)

छोरैईनैं-बींनै निजर पसारी, कोई सहारो देवै तो, पण भैंस भैंस री सग्गी, दिगंबरां री में बस्ती गामै वाळो कहै ? बठै तो पांच-सात हलवाई हा कनै-कनै। उण सोच्यो-थारी पांच-पइसां री पंचायती में किसो स्याणो पड़सी अर काल भळै आवणो ईनै। मन मार, मिल्या ळै ही लेयर टुरग्यो। अबै वींरी भळै फिरण री सरधा कम ही।

3. सप्रसंग व्याख्या करो : (शब्द सीमा : **200** शब्द)

—भगवान रै दरबार में सगळा ई बरोबर। उण रै अठै ते जैड़ो अगर वाळ बैड़ोई मेघवाळा कोई ऊंच-नीच नीं। नीठ गांव री पुण्याई जागी है अर तूं बीच में रोज़े क्यूं बणै ? ..... संसार में काम किणी रा रुक्या कोनी। तूं फिकर मत कर, फीड़ी नै कण अर हाथी नै मण देवण काळो बोई है। मिनख री कीं खिमता नीं है। चाम चाली जावणी है अर गांव रह जावणो है। बावळा, इसा मौका लारै भज्योड़ा हुवै उण रै ई हाथ आवै। सरपंच लाघू नै समझावै हो।

4. सप्रसंग व्याख्या करो : (शब्द सीमा : **200** शब्द)

उण हेत समेत सुवरी नै निरखी। उणरा मौर थपक्या। रास चकड़ेर पडाळ कानी चाल्यो। पडाळ री टौबी पर ऊभो अबढो फोग वायरै रै समचै लुण-लुकर उण नै झाला देय र बुलावै हो। उण फोग रै ओल्है सूं झांकर साम्हैं जोयो तो सूंडियै रै हरख रो छेह नीं हो। साम्हैं हिरणां ही डार री डार चरती निगै लाई। वो झट गोडी ढाळर उणी फोग लारै मोरचो मांडयो। सूवटी री रास ढीली छोडी। अवस आज माताजी मंड में आया है। मारी परतख महरई तो है आ।

5. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करो : (शब्द सीमा : **200** शब्द)

कृष्ण रो जलम मौत री छीयां में, डर रा भंवर में अर आस रा अमर भरोसा में हुयौ। राम रो बाळपणो कोई नै याद कोनी आवै। वो बालकांड में बंद पड़यो है। ईसा अर बुद्ध रा टाबरपणा माथै बैरी प्रौढ अवस्था हावी हुयगी। पण कृष्ण री बाळाषण घर-घर में रमै। अलेखा मावड़ियां रै अनुभवां में थिर हुयग्यो है वो बाळलियो, जिको जलम लेवता ही आपरी जामण री गोदयां सूं आगो चल्यो जावै अर विरह री आंच में बाळतो जावै।

6. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करो : (शब्द सीमा : **200** शब्द)

सैकड़ां कोसां री मुसाफरी में देखियो कै जापान में अेक आंगळ धरती बेकार कोनी पड़ी। मानलो कठैई जमीन खेती रै लायक कोनी, पाणी रो खाडोई है, तो उण नैई काम में ले राखियो है, वीं खाडै में कमल ही जाय दिया। कमल री डांडी, बीज, पत्ता, फल, पांखडियां रो बैसाग बणावै।

7. 'कलाकार बंधुवां सूं' निबंध में साने गुरुजी जिका आपरा विचार उजागर करला है, उणानैं आपरी भाषा में लिखो।

8. मदन सैनी रो कहाणी दया अथवा श्री विजय दान देया री 'राजीनांवो' कहाणी रो कथा-सार आपरै शब्दां में लिखो।

खण्ड–स प्रत्येक 20

च्यार सवालां मांय सूं किणी दो रा जवाब लिखो–(उत्तर सीमा : **500** शब्द)

9. चन्द्र प्रकाश देवल री कहाणी 'घासलेट री खुराबू' **अथवा** 'हिरणी' कहाणीकार श्री बैजनाथ पंवार री कहाणी रै तत्वां रै आधार पर समीक्षा करो।

10. विगत दस बरसां में (2011 सूं 2020 तांये) राजस्थानी कहाणी री विकासयात्रा रो लेखो-जोखो प्रस्तुत करो।

11. 'गोगोजी रा घोड़ा' निबंधकार डॉ॰ नेमनारायण जोशी **अथवा** श्री गोपाल नारायण बोहरा रै निबंध 'ढूंढाड़ महातम' री भाषा पर विस्तृत आलेख लिखो।

12. विगत दस बरसां में (2011 सूं 2020 तांये) राजस्थानी निबंध रो जिको विकास हुयो है, उवरो लेखो-जोखो उदाहरण सागै प्रस्तुत करो।